॥ ॐ नमोजी आद्या ॥

गायकः लता मंगेशकर
अभंगः संत ज्ञानेश्वर
संगीतः पं. हृदयनाथ मंगेशकर

ॐ नमोजी आद्या। वेद प्रतिपाद्या।
जयजय श्रीसंवेद्या। आत्मरूपा ॥ १ ॥

देवा तूची गणेशू। सकल मति प्रकाशू।
मनी निवृत्ती दासू। अवधारी जो जी ॥ २ ॥

"अ"कार चरण युगुल। "उ"कार उदर विशाल।
"म"कार महामंडळ। मस्तकाकारे ॥ ३ ॥

हे तिन्ही एकवटळले। तेथ शब्द ब्रह्मकमळले।
ते मी या श्रीगुरुकृपा नमिले। आदिबीज ॥ ४ ॥

आता अभिनव वाग्विलासिनी। जे चातुऱ्यार्थ कलाकामिनी।
ते श्रीशारदा विश्वमोहिनी। नमिली मी या ॥ ५ ॥

अवधारणेः लक्षात ठेवणे
उदरः पोट
वाग्विलासः भाषिक सौंदर्य